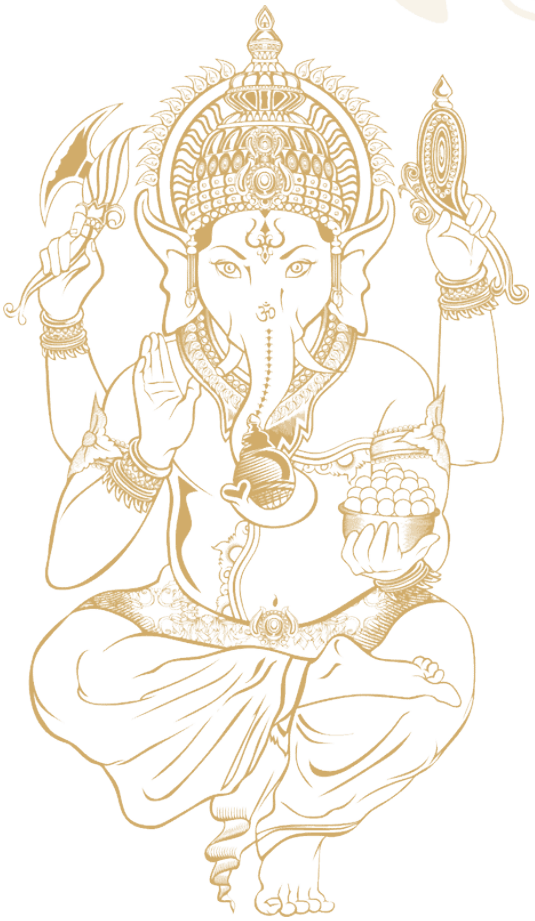

Mahek

01 Jan 2006

12:05 AM

Gurgaon

Model: web-freekundliweb

Order No: 121279002

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**31-01/01/2006**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**00:05:00 घंटे**
इष्ट	42:06:48 घटी
स्थान	**Gurgaon**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:27:00 उत्तर
रेखांश	77:01:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:43:04 घंटे
वेलान्तर	-00:02:58 घंटे
साम्पातिक काल	06:24:12 घंटे
सूर्योदय	07:14:16 घंटे
सूर्यास्त	17:35:49 घंटे
दिनमान	10:21:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:15:03 धनु
लग्न के अंश	11:23:55 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	व्याघात
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:23:55	318:21:59	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			धनु	16:15:03	01:01:11	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
चंद्र			धनु	25:05:41	14:52:04	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	17:04:49	00:14:33	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध			धनु	01:22:50	01:29:19	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			तुला	19:19:29	00:09:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र	व		मक	06:24:24	00:18:10	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	15:59:50	00:03:55	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	14:52:58	00:11:42	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	14:52:58	00:11:42	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	13:46:20	00:02:12	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	22:01:49	00:01:56	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:56:26	00:02:11	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	11:36:51	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:25

लग्न-चलित

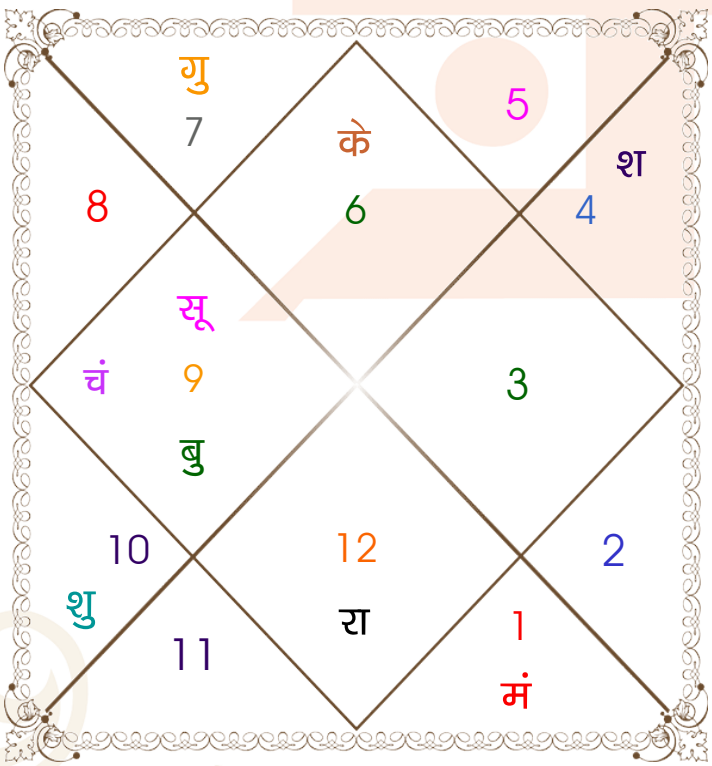

चन्द्र कुंडली

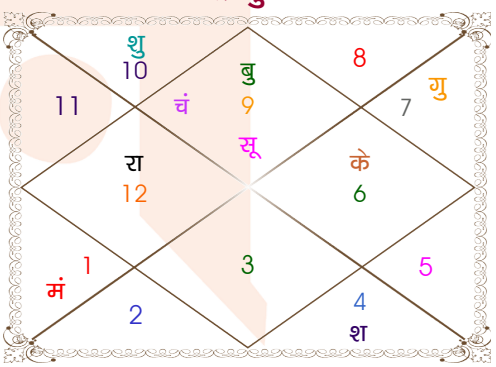

नवमांश कुंडली

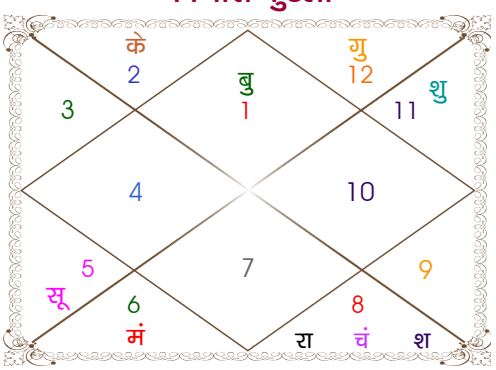

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 2 वर्ष 4 मास 9 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
01/01/2006		11/05/2008		11/05/2014		11/05/2024		12/05/2031	
11/05/2008		11/05/2014		11/05/2024		12/05/2031		11/05/2049	
	00/00/0000	सूर्य	28/08/2008	चंद्र	12/03/2015	मंगल	07/10/2024	राहु	22/01/2034
	00/00/0000	चंद्र	27/02/2009	मंगल	11/10/2015	राहु	25/10/2025	गुरु	16/06/2036
	00/00/0000	मंगल	05/07/2009	राहु	11/04/2017	गुरु	01/10/2026	शनि	23/04/2039
	00/00/0000	राहु	30/05/2010	गुरु	11/08/2018	शनि	10/11/2027	बुध	10/11/2041
	00/00/0000	गुरु	18/03/2011	शनि	11/03/2020	बुध	06/11/2028	केतु	28/11/2042
	00/00/0000	शनि	28/02/2012	बुध	10/08/2021	केतु	05/04/2029	शुक्र	28/11/2045
	01/01/2006	बुध	03/01/2013	केतु	11/03/2022	शुक्र	05/06/2030	सूर्य	23/10/2046
बुध	12/03/2007	केतु	11/05/2013	शुक्र	10/11/2023	सूर्य	10/10/2030	चंद्र	23/04/2048
केतु	11/05/2008	शुक्र	11/05/2014	सूर्य	11/05/2024	चंद्र	12/05/2031	मंगल	11/05/2049

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
11/05/2049		11/05/2065		11/05/2084		12/05/2101		12/05/2108	
11/05/2065		11/05/2084		12/05/2101		12/05/2108		00/00/0000	
गुरु	29/06/2051	शनि	14/05/2068	बुध	07/10/2086	केतु	08/10/2101	शुक्र	11/09/2111
शनि	10/01/2054	बुध	22/01/2071	केतु	05/10/2087	शुक्र	08/12/2102	सूर्य	11/09/2112
बुध	16/04/2056	केतु	02/03/2072	शुक्र	05/08/2090	सूर्य	15/04/2103	चंद्र	12/05/2114
केतु	23/03/2057	शुक्र	02/05/2075	सूर्य	11/06/2091	चंद्र	14/11/2103	मंगल	12/07/2115
शुक्र	22/11/2059	सूर्य	13/04/2076	चंद्र	09/11/2092	मंगल	11/04/2104	राहु	12/07/2118
सूर्य	10/09/2060	चंद्र	13/11/2077	मंगल	07/11/2093	राहु	30/04/2105	गुरु	12/03/2121
चंद्र	10/01/2062	मंगल	23/12/2078	राहु	26/05/2096	गुरु	06/04/2106	शनि	12/05/2124
मंगल	16/12/2062	राहु	28/10/2081	गुरु	01/09/2098	शनि	16/05/2107	बुध	02/01/2126
राहु	11/05/2065	गुरु	11/05/2084	शनि	12/05/2101	बुध	12/05/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 2 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।